फुलवाड़ी

(भाग - 2)

दोसर कक्षाक मैथिली भाषाक पाठ्यपुस्तक

(एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा प्रकाशित

फुलवाड़ी

(भाग - 2)

दोसर कक्षाक मैथिली भाषाक पाठ्यपुस्तक

(एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा प्रकाशित

दिशा बोध सह पाठ्य पुस्तक विकास समन्वय समिति

1. **श्री राजेश भूषण**
   राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना, पटना
2. **श्री हसन वारिस**
   निदेशक (प्रभारी), एस. सी. ई. आर. टी., पटना
3. **श्री मुखदेव सिंह**
   क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक, तिरहुत प्रमण्डल
4. **श्री रामेश्वर पाण्डेय,**
   कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना, पटना
5. **श्री बसंत कुमार**
   शैक्षिक निबन्धक, बी.टी.बी.सी., पटना
6. **डा० सैयद अब्दुल मुईन**
   विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, एस. सी. ई. आर. टी., पटना
7. **श्रीमती श्वेता शांडिल्य**
   शिक्षा विशेषज्ञ, यूनीसेफ, पटना
8. **डा० ज्ञानदेवमणि त्रिपाठी,** *प्राचार्य*
   टी. आई. एच. एस., पटना

पाठ्य पुस्तक विकास समिति

लेखक सदस्य -

1. **डॉ0 वीणाधर झा,** *व्याख्याता*
   पटना कॉलेजियट स्कूल, पटना- 800 004
2. **डॉ0 राम नारायण सिंह,** *सहायक शिक्षक*

3. **श्री रघुनाथ प्रसाद**
बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कंकड़बाग, पटना -800 020

4. **श्री विजय**,*सहायकशिक्षक,*
+2 राजकीय उच्च विद्यालय, कोलहेटा-पटोरी, दरभंगा

5. **डा0 उपेन्द्र कुमार**, *सहायकशिक्षक*
+2 उच्च विद्यालय, जयनगर, मधुबनी ।

समन्वयक -

डा0 अर्चना, व्याख्याता
एस. सी. ई. आर. टी., पटना

समीक्षक -

1. **श्री मोहन भारद्वाज**
साहित्यकार, पटना

2. **डा0 इन्दिरा झा,**
विभागाध्यक्ष, मैथिली विभाग, रामकृष्ण द्वारिका महाविद्यालय, पटना- 800 020

आभार -

यूनिसेफ, पटना

आमुख

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक फुलवाड़ी भाग-2 कक्षा दूक छात्रक अवस्थाकेँ ध्यानमे राखि बनाओल गेल अछि। एहि आयु वर्गक छात्रमे नव-नव सोच-विचार लग पासक वस्तु सभकेँ देखि अबैत रहैत छैक। जे देखलक-सुनलक तकरा अपना आयुवर्गक छात्र लोकनिक बीच बँटबाक प्रयास करैत रहैत अछि। अपन मोनमे उठल विचारकेँ दोसरा केँ देबाक उत्कंठा रहैत छैक। एतबय नहि छात्रकेँ पढ़बाक प्रति बेसी जिज्ञासा नहि अपितु विषय वस्तुकेँ जानवाक इच्छा बेसी रहैत छैक। प्रश्न पूछि जानकारी लेबाक उत्सुकताअधिकरहैतछैक। तेँ एहिपाठ्यपुस्तककनिर्माण,बालककमनोवैज्ञानिकदशाएवं जिज्ञासाक ध्यानमे राखि, कयल गेल अछि।

राष्ट्रीय 'पाठ्यचर्याक रूपरेखा 2005 आ वी० एस० एफ०-2008क सुझावक अनुरूप एहि पुस्तक निर्माण भेल अछि। एहि दृष्टिएँ पाँच पाठ गद्यक आ पाँच पाठ पद्यक राखल गेल अछि। बच्चा सभक बौद्धिक क्षमता आओर रूचिक अनुरूप पाठक चयन कयल अछि। एखन बच्चा सभ मात्र अक्षर, शब्द आछोट-छोटवाक्यनिर्माणकरबसीखिसकलअछि।गीतसुनबबड़बढ़ियाँलगैतछैक। तेँ पाठक आरम्भ पद्यसँ कयल गेल अछि ओहो पाठक रूपमे नहिं अपितु खेल-खेलबाक दृष्टिएँ। जे खेल घर-आँङनमे भाइ-बहीनसँ सीखि नेने होयत। गेयताक कारणेँ छात्रकेँ पढ़बामे रूचि लगतैक।

चित्रात्मक-कथा जे छात्रक बीच सहजहिं आकर्षणक बिन्दु होइछ, तकरा सेहो स्थान देल गेल अछि। जाहिसँ पढ़ब बच्चाकेँ बोझ नहि बुझना जेतैक। एखन धरि शब्दक बहुत रास ज्ञान भय चुकल छैक। शब्दक भंडार आओर बढ़ैक तकरो ध्यानमे राखि शब्दक अंत्याक्षरी सेहो देल गेल अछि, जे खेल-खेलमे बच्चा सभ आपसी ताल-मेलसँ सीखत।

खिड़कीक-खिस्सा जे बंगला भाषाक अनुवादसँ लेल गेल अछि, तकरा समावेश सेहो कयल गेल अछि जाहिसँ बच्चा सभमे मनोवैज्ञानिक विश्लेषणक क्षमता बढ़तैक। आपसी बात-चीत सँ तार्किक शक्ति सेहो बढ़तैक आ तकर अभिव्यक्ति भाषाक माध्यमे हेतैक। भाषिक क्षमतामे स्वत: वृद्धि होयब स्वाभाविक अछि।

एहि पाठ्यपुस्तक में पाँचगोट गद्यक चयन भेल अछि। पर्यावरणकेँ ध्यान मे राखि जंगलक आत्मकथा प्रस्तुत कयल गेल अछि। सांस्कृतिक धरोहर आ तत्जन्य कथा जे हमरा सभक सामाजिक समरसता (फगुआ-पावनि) प्रदान करैत अछि तकरा राखि, बच्चा सभकेँ सामाजिक समरसताक ज्ञान

देबाक प्रयास कयल गेल अछि । मिथिलाक महान विभूति विद्यापतिक जीवनीसँ अवगत कराओल गेल अछि । जे समस्त मिथिलांचले टामे नहि 1अपितु अपन रचनासँ देश-देशान्तर धरि विख्यात भऽ चुकल छथि । एहन महान् पुरुषक जीवनी पढ़ि बच्चा सभमे विशेष उद्‌बोधन हेतैक ई हमरा विश्वास अछि।

अकबरक दरबारमे जहिना बीरबल अपन वाक्‌पटुता सँ सभकें मंत्रमुग्ध कयने रहैत छल, ताही तरहक वाक्‌पटु मिथिलामे गोनू झा छलाह, तकर खिस्सा सेहो देल गेल अछि । ई पाठेतर कथा अछि, जकरा बच्चा सभ रुचिपूर्वक पढ़त आ आपसमे चर्चा कय ज्ञानक विस्तार करत ।

प्रश्न ओ अभ्यास पर विशेष ध्यान देल गेल अछि । लिखबासँ बेसी आपसी बातचीत कय बुद्धि विस्तार पर ध्यान देल गेल अछि जाहिसँ छात्रमे भाषिक क्षमताक विकास हेतैक । संगहि सीखबाक प्रवृति बढ़तैक ।

छात्र लोकनिक हेतु पाठान्तमे कठिन शब्दक अर्थ देल गेल अछि जाहिसँ छात्रक शब्द ज्ञान बढ़तैक। छात्रमे शब्दकोशसँ शब्दार्थ चयन कोना कयल जाइत छैक तकर ज्ञान होइक संगहि ओकरा जिज्ञासा ओ प्रवृति बढ़ैक ताहि दृष्टिकेँ ध्यानमे राखि वर्णक्रमानुसार अर्थ किताबक अंत मे देल गेल अछि ।

प्रस्तुत पुस्तक फुलवाड़ी भाग-2क विकासक क्रममे जाहि विद्वान लोकनिक रचना लेल-गेल अछि हुनका प्रति आभार ओ कृतज्ञतार्पण करैत छी ।

ई पुस्तक सुधी समाजक समीक्षकक आगू प्रस्तुत अछि । विशेष प्रयास कयनहुँ त्रुटि होयब स्वाभाविक अछि । त्रुटिसँ अवगत कराय पुस्तककेँ परिमार्जित ओ अधिकाधिक उपादेय बनयवामे सहयोग करी से निवेदन ।

हसन वारिस

निदेशक (प्रभारी)

एस० सी० ई० आर० टी०, बिहार, पटना

विषय सूची

1.	अटकन मटकन	- पाठेतर	01 - 02
2.	सीख	- कविता	03 - 07
3.	लोकगीत	- पाठेतर	08 - 10
4.	जंगलक आत्मकथा	- पर्यावरण	11 - 15
5.	चित्रकथा -खिड़कीक जन्म (बंगला भाषासँ अनुवादित)	- पाठेत्तर	16 - 21
6.	विद्यापति	- महापुरूषक जीवनी	22 - 25
7.	करिया झुम्मरि	- कविता	26 - 29
8.	फगुआ (पावनि-तिहार)	- कथा	30 - 37
9.	एक गोट आर खिस्सा	- पाठेतर	38 - 39
10.	की कहैत अछि	- कविता	40 - 45
11.	उकट्ठी वानर	- कथा	46 - 51
12.	पाकल आम	- कविता	52 - 56

13.	आउ हमरा लोकनि आब खेलाइ अन्त्याक्षरी	- पाठेतर	57 - 58
14.	मेलक बल	- कथा	59 - 63
15.	मछरी (स्वास्थ्यवर्द्धक)	- कविता	64 - 68
16.	चित्रात्मक कथा (गोनू झाक महींस)	- चित्र कथा	69 - 74
	शब्द कोश		75 - 78